सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 93 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 7 मई, 2024
मूल्य ₹ 3/-

दुनिया की सबसे खूबसूरत चीजें ना ही देखी जा सकती हैं और ना ही छुई, उन्हें बस दिल से महसूस किया जा सकता है।

-हेलेन केलर

सूर्या की आक्रामक शतकीय पारी... 7 | अमेठी-रायबरेली में चलेगा गांधी... 3 | प्रियंका ने संभाली कमान, रायबरेली... 2

उत्तर प्रदेश में बूथ कैप्चरिंग व बवाल के बीच

तीसरे दौर में जमकर पड़े वोट मिलेगी ओट या पड़ेगी चोट!

» पीएम मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे, शाह व पवार समेत कई दिग्गजों ने डाले वोट

» सपा ने लगाए आरोप: मुस्लिमों को रोका, पहचान पत्र छीने, धमकाया

» सैफई में अखिलेश और डिंपल ने किया मतदान

» कई राज्यों में मतदान केंद्रों पर लग रही लंबी कतार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण में आज 11 राज्यों की 93 सीटों पर 7 मई को मतदान चल रहा है। इस बीच यूपी में बूथ कैप्चरिंग की खबरों के बीच जमकर मतदान हो रहा है। वहीं मैनपुरी में सपा व बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच पथराव की खबर आई। पश्चिम बंगाल में हिंसक झड़प की सूचना है। उधर बिहार में दो सरकारी कर्मचारियों की मौत चुनाव ड्यूटी के दौरान हो गई। इस चरण में कुल 1331 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। तीसरे चरण के रण में 10 केंद्रीय मंत्रियों और चार पूर्व मुख्यमंत्री समेत कई दिग्गजों की साख दांव पर लगी है।

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के लिए वोटिंग के बीच समाजवादी पार्टी ने मतदान को प्रभावित करने का आरोप लगाया है। सपा ने मैनपुरी सीट से लेकर संभल, बदायूं, आंवला और आगरा समेत तमाम जगहों पर मुस्लिम मतदाताओं को परेशान करने और वोटर्स पर दबाव बनाने का आरोप लगाया है। सपा इन तमाम मामलों को चुनाव आयोग से सज्ञान लेने का कहा है। तीसरे चरण में उत्तर प्रदेश की 10, गुजरात की 25, कर्नाटक की 14, महाराष्ट्र की 11, मध्यप्रदेश की नौ, असम की चार, बिहार की पांच, छत्तीसगढ़ की सात, पश्चिम बंगाल की चार, दमन दीव और दादरा एवं नगर हवेली की दो सीटों पर मतदान है। इस दौरान पीएम मोदी, अमित शाह, शिवराज सिंह चौहान, एक्टर रितेश देशमुख और उनकी पत्नी जेनेलिया देशमुख, यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल समेत कई दिग्गजों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। वहीं पीएम मोदी के 100 दिन के प्लान पर कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश का कहना है, वह 4 जून को पूर्व पीएम बन जाएंगे। उन्हें जनादेश नहीं मिलने वाला है। वे यह जानते हैं कि सब दिखावा है। वे सिर्फ बड़े बड़े दावे ही करते हैं।

सभी दलों ने की लोगों से ज्यादा से ज्यादा वोट करने की अपील

बढ़-चढ़कर मतदान करें : पीएम मोदी

वोट डालने के बाद पीएम मोदी ने देशवासियों से भी बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील की। पीएम मोदी ने कहा कि आज तीसरे चरण का मतदान है अभी चार दौर आगे भी है। उन्होंने गुजरात और देश के मतदाताओं का भी आभार व्यक्त किया। बता दे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मतदान केंद्र के बाहर आम लोगों की लंबी लाइन लगी थी जो सिर्फ प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए आतुर थी। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी समर्थकों का अभिवादन किया और उन्हें ऑटोग्राफ देने में भी पीछे नहीं हटे। इस दौरान उन्होंने एक छोटे बच्चों को गोद में उठाकर उसके साथ कुछ पल भी बिताए। वहीं मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और विदिशा से बीजेपी उम्मीदवार शिवराज सिंह चौहान ने अपने परिवार समेत सीहोर के ग्राम जैत में वोट डाला।

एक वोट बदलेगा जीवन : अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और डिंपल यादव ने वोट डाला। वोट डालने के बाद अखिलेश ने कहा, बीजेपी वाले जानबूझकर गर्मियों में वोट डलवाते हैं। जो गर्मियों में वोटिंग हो रही है, वो एक महीने पहले भी कराई जा सकती थी। यादव ने कहा, बीजेपी की बहुत बुरी हार होने वाली है। अखिलेश ने कहा, ये वोट आपका जीवन बदल सकता है। सभी मतदाताओं से अपील करता हूं कि ज्यादा से ज्यादा वोट डालें। यही वोट संविधान को मजबूत करेगा। जितना ज्यादा वोट डाला जाएगा, उतना ही लोकतंत्र पर भरोसा बढ़ेगा। यही वोट जीवन में बदलाव लाता है, जुमला, धोखा, झूठ का नाम ही गारंटी है। न किसान की आय दोगुनी हुई, न रोजगार है, जब परीक्षा लिखता है तो उसके पेपर लीक हो गए, महंगाई चरम सीमा पर है। आम लोग महसूस करते हैं कि महंगाई है आज, महंगाई इसलिए भी है कि बीजपी कुछ लोगों को मुनाफा पहुंचाना चाहते हैं।

डिंपल यादव ने बीजेपी की नीयत पर उठाए सवाल

सैफई में वोट डालने के बाद मैनपुरी से मौजूदा सांसद और सपा उम्मीदवार डिंपल यादव ने कहा, बेरोजगारी, महंगाई बढ़ रही है। भाजपा में नीति और नीयत की अंतर है। आज देश का लोकतंत्र और संविधान बचाने का चुनाव है। ये लड़ाई राजनीतिक विचारधारा की है।

कांग्रेस भारी बहुमत से जीतेगी : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, सभी मिलकर इस बार कांग्रेस को जिताएंगे। कांग्रेस भारी बहुमत से चुनाव जीत रही है। चुनाव आयोग को वोटिंग का मतदान के दिन शाम को ही डेटा देना चाहिए, इस बार चुनाव में महंगाई और बेरोजगारी का मुद्दा है, जनता इसे लेकर ही वोट कर रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कलबुर्गी के एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। कांग्रेस ने कलबुर्गी सीट से राधाकृष्ण को और बीजेपी ने उमेश जी जाधव को मैदान में उतारा है।

पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में सबसे कम वोटिंग

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश की 93 सीटों पर मतदान हो रहा है। पूरे देश में 11 बजे तक 25.41 फीसदी मतदान हो चुका है। असम 27.34,बिहार 24.41,छत्तीसगढ़ 29.90,दादरा नगर हवेली 24.69, गोवा 30.94, गुजरात 24.35, कर्नाटक 24.48,मध्य प्रदेश 30.21,महाराष्ट्र 18.18,उत्तर प्रदेश 26.12, बंगाल में 32.82 प्रतिशत मतदान की खबर है।

यूपी में संभल में सबसे अधिक तो बरेली में सबसे कम पड़े वोट

तीसरे चरण में लोकसभा चुनाव के लिए यूपी की 10 सीटों पर वोटिंग जारी है। इन दस सीटों पर 100 प्रत्याशियों में आठ महिला उम्मीदवार हैं। प्रदेश में 11 बजे तक 26.12 फीसदी ,आगरा में 25.87 फीसदी,एटा में 27.17 प्रतिशत ,आंवला में 25.98 फीसदी,फतेहपुर सीकरी में 27.63 प्रतिशत ,फिरोजाबाद में 24.42 फीसदी ,बदायूं में 26.02 फीसदी,बरेली में 23.60 प्रतिशत ,मैनपुरी में 25.13 फीसदी,संभल में 29.55 प्रतिशत,हाथरस में 26.05 फीसदी वोटिंग की खबर है।

बीजेपी डरी है सबको भड़का रही : लालू

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आई तो देश में जंगलराज हो जाएगा वाले बयान पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कहा, वह इतना डर गए हैं कि वह सभी को भड़का रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी के बयान पर राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कहा, वह संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं ये बात जनता समझ गई है।

बिहार में दो मतदान कर्मियों की मौत

बिहार के सुपौल में एक पीठसीन अधिकारी की हार्टअटैक से जबकि अररिया के पलासी प्रखंड के उत्क्रमित म. वि. पेचैली बूथ पर मंगलवार को मौके पर तैनात होमगार्ड जवान महेंद्र साह की मौत होने की सूचना है। माना जा रहा है कि उन्हें हार्ट अटैक आया था।

प्रियंका ने संभाली कमान, रायबरेली अमेठी में कांग्रेस जोश में

» भूपेश व गहलोत करेंगे पर्यवेक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस पार्टी अमेठी और रायबरेली की सीट हर हाल में अपने पास बनाए रखना चाहती है। इसके लिए दोनों ही सीटों पर प्रियंका गांधी अपनी 40 सदस्यीय टीम के साथ काम पर लगी हुई हैं। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ भुएमऊ गेस्ट हाउस में प्रियंका ने मैराथन बैठक की। कांग्रेस के वॉर रूम से जो बात छन कर आई है, उसमें रायबरेली के साथ अन्य सीटों पर कांग्रेस मुद्दों की बौछार कर चुनावी रण को अपने माकूल बनाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस की 25 गारंटी से चुनाव को धार दिया जाएगा तो महंगाई, बेरोजगारी के मुद्दे चुनाव प्रचार में अहम तीर होंगे। इसके तहत वह घर-घर में दस्तक देंगी और नुक्कड़ सभाएं करेंगी।

वहीं, कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अमेठी लोकसभा सीट पर व छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को रायबरेली सीट की जिम्मेदारी देते हुए पर्यवेक्षक तैनात किया है। रायबरेली सीट पर राहुल गांधी प्रत्याशी हैं जबकि अमेठी सीट पर गांधी परिवार के करीबी रहे किशोरी लाल शर्मा को उम्मीदवार बनाया गया है। लंबे समय तक चली रस्साकशी के बाद गांधी परिवार ने अंतिम दिन रायबरेली से राहुल गांधी और अमेठी से केएल शर्मा को चुनाव लड़ाने का फैसला लिया था। नामांकन के वक्त सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, राबर्ट वाड्रा ने भी राहुल के नामांकन में शामिल होकर एकजुटता का संदेश दिया था। इन दोनों सीटों की कमान प्रियंका गांधी को सौंपी गई है। पार्टी की ओर से अभी तक अधिकृत कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है, लेकिन प्रियंका गांधी की 40 सदस्यी टीम रायबरेली पहुंच गई है। यह टीम प्रियंका के चुनाव प्रचार की रणनीति तैयार कर रही।

सियासी धार को मजबूत करेंगी कांग्रेस नेत्री

पार्टी के रणनीतिकारों की मानें तो प्रियंका गांधी के रायबरेली में रुकने की कई वजह है। वह यहां रुककर रिश्तों की दुहाई देंगी और इसके जरिए सियासी धार को मजबूत करेंगी। ऐतिहासिक तथ्य देखें तो 1952 से 62 तक फिरोज गांधी, 1962 से 1967 तक आरपी सिंह और फिर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने यहां से रिश्ते मजबूत किए। बीच में एक दौर ऐसा भी आया कि पारिवारिक नजदीकी लोगों को रायबरेली की कमान मिली, लेकिन 1999 में सोनिया गांधी ने फिर इस क्षेत्र की कमान संभाल ली।

बूथवार निगरानी करेंगी

सूत्रों के मुताबिक प्रियंका रायबरेली और अमेठी के बूथवार निगरानी करेंगी। इसके लिए पार्टी की ओर से उनकी टीम को दोनों लोकसभा क्षेत्र की कमेटियों की सूची रविवार को सौंप दी गई है। प्रदेश मुख्यालय से सभी कमेटियों को अलर्ट रहने का भी संदेश दिया गया है। वह सोशल मीडिया अभियान पर भी नजर रखेंगी। उनकी टीम में कई ऐसे विशेषज्ञ भी शामिल हैं, जो फेसबुक, ट्विटर, इंट्राग्राम और व्हाट्स एप पर नजर रखते हुए उनके संचालन के लिए रणनीति तैयार करेंगे। यह रणनीति प्रियंका गांधी के निर्देश के तहत बनेगी। चुनाव के दौरान प्रियंका गांधी अलग-अलग संगठनों के लोगों से संवाद करेंगी। इसके लिए रायबरेली और अमेठी के विभिन्न सामाजिक संगठनों की सूची भी इकट्ठा की गई है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक प्रियंका गांधी रायबरेली से ही अन्य राज्यों में कुछ समय के लिए चुनाव प्रचार के लिए जा सकती हैं।

जिसे डर लगता है वो पीछे हट जाए : प्रियंका

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा चुनाव की कमान संभालने के लिए रायबरेली पहुंच गई हैं। उन्होंने भुएमऊ गेस्ट हाउस में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश के हालात बहुत खराब हैं। मैं यहां आ गई हूं। चुनाव में 329 घंटे बाकी हैं। लगातार काम करना है। हर हाल में जीत दर्ज करनी है। मैं आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ूंगी। अभी जिसे डर लगता है वो पीछे हट जाए फिर नहीं हटने दूंगी। उन्होंने कहा कि रायबरेली वो किला है जिसे भाजपा ढहा नहीं पाई है। यहां पर हमारी जीत का संदेश दूर तक जाएगा। तैयार हो जाइए। चुनाव तक लगातार काम करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा लोगों के जज्बात उभारकर वोट की राजनीति कर रही है। युवा रोजगार की नौकरी की मांग करते हैं भाजपा पाकिस्तान की बात कर रही है। जनता महंगाई से परेशान है लेकिन उस पर कुछ नहीं करते हैं।

मोदी इतने बड़े नेता हैं तो देश में रोजगार दिलाएं

अपने भाषण में प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर एक के बाद एक तीखे प्रहार किए। कहा कि मोदी यदि विश्व के सबसे बड़े नेता हैं तो देश में रोजगार क्यों नहीं लाते हैं। सत्ता पाने के लिए अरबपतियों से सांठगांठ करते हैं और कांग्रेस को सबसे भ्रष्ट पार्टी बताते हैं। परिवारवाद की बात करते हैं, लेकिन उनकी ही पार्टी में भाई, बहन, चाचा, चाचियां इकट्ठे हो रहे हैं। क्या यह परिवारवाद नहीं है। प्रियंका ने कहा कि चुनाव के समय दो-दो सीएम को जेल में डाल देते हैं। यह सब क्यों कर रहे हैं। सिर्फ सत्ता में आने के लिए। इन सभी की बड़े अरबपतियों से सांठगांठ है। 50 हजार रुपये की खातिर किसान आत्महत्या कर रहा है, क्योंकि वह अपना कर्ज चुका नहीं पा रहा है। अपनी बेटियों की शादी नहीं कर पा रहा है। उनका पैसा माफ नहीं कर रहे हैं, लेकिन अरबपतियों का पैसा माफ कर रहे हैं। यह सच्चाई आपको नहीं दिखाएंगे।

'बीजेपी दिन में देख रही ओडिशा का सपना'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। ओडिशा के बरहामपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक पर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि चुनाव के बाद बीजेपी यहां डबल इंजन की सरकार बनाएगी। बीजेडी सरकार के एक्सपाइरी की तारीख 4 जून, 2024 है। जिस दिन विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होंगे। उधर, नवीन पटनायक के करीबी और पार्टी के नेता वीके पांडियन ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो जारी किया है, जिसमें पांडियन नवीन पटनायक से पूछते हैं कि बीजेपी बोल रही है कि वो उड़ीसा में सरकार बनाएंगी। इस पर उड़ीसा के सीएम नवीन पटनायक ने हंसते हुए कहा कि बीजेपी बहुत दिनों से दिन में सपना देख रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि ओडिशा को एक ऐसे मुख्यमंत्री की जरूरत है जो उड़िया भाषा और संस्कृति को समझता हो। ओडिया भाषा पर पटनायक की कमजोर पकड़ का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि एक व्यक्ति, जो ओडिया संस्कृति और परंपरा में रहता है, समझता है और उस पर गर्व करता है, वह ओडिशा की समस्याओं को तेज गति से हल करने में मदद कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रैली में कहा कि आपने कांग्रेस को 50 साल और बीजद को 25 साल दिए हैं। बस बीजेपी को पांच साल दीजिए। हम ओडिशा को देश का नंबर एक राज्य बना देंगे। पीएम मोदी ने आगे कहा कि मैं यहां आपको 10 जून को बीजेपी के सीएम के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित करने आया हूं। उसी दिन, हम आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना लागू करेंगे, जिसका नवीन पटनायक सरकार विरोध कर रही है, पीएम मोदी ने कहा, भगवान जगन्नाथ इस योजना के तहत सभी वरिष्ठ नागरिकों का ख्याल रखेंगे।

लगातार छठी बार सीएम पद की शपथ लेंगे नवीन पटनायक : पांडियन

पीएम मोदी के दावे पर ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के करीबी सहयोगी वीके पांडियन ने कहा कि नवीन पटनायक 9 जून को सुबह 11.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे के बीच लगातार छठी बार ओडिशा के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

बसपा ने बस्ती लोकसभा सीट का प्रत्याशी बदला

» दयाशंकर सिंह की जगह लवकुश पटेल को टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा ने दो उम्मीदवारों के टिकट बदल दिए हैं। इसमें जौनपुर से क्षत्रिय उम्मीदवार को मैदान से हटाकर यादव पर दांव लगाया है तो बस्ती में ब्राह्मण उम्मीदवार को हटाकर कुर्मी बिरादरी को मैदान में उतार दिया है। पार्टी ने तमाम चर्चाओं को दरकिनार कर जौनपुर संसदीय सीट पर बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला रेड्डी को मैदान में उतारा था।

धनंजय वर्ष 2009 में बसपा के टिकट पर ही सांसद बने थे लेकिन बीच के दौर में वह पार्टी से दूर होते गए। यहां से भाजपा ने महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह पर दांव लगाया है। दोनों पार्टियों से क्षत्रिय उम्मीदवार होने की वजह से इस वोटबैंक में बंटवारे की आशंका जताई जा रही थी। इसी तरह बस्ती में बसपा ने दयाशंकर मिश्र को मैदान में उतारा तो वह ब्राह्मण वोटबैंक को गोलबंद करते दिखे। उनकी इस गोलबंदी से सीधे तौर पर भाजपा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी को नुकसान होता दिख रहा था। अब बसपा ने दयाशंकर मिश्र के स्थान पर लवकुश पटेल को मैदान में उतारा है।

श्याम लाल बने सपा के नए प्रदेश अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने श्याम लाल पाल को पार्टी का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके सहारे पार्टी प्रदेश के पाल वोट बैंक को साधने का प्रयास कर रही है। पाल प्रयागराज के रहने वाले हैं। बता दें कि निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल फतेहपुर सीकरी से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में प्रदेश में संगठन की जिम्मेदारी श्याम लाल पाल को दी गई है। श्यामलाल पाल शिक्षाविद् हैं और एक इंटर कॉलेज से प्रधानाचार्य के पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

वह लगभग 20 सालों से समाजवादी पार्टी में हैं। वह नरेश उत्तम पटेल की समिति में उपाध्यक्ष के पद पर थे। श्याम लाल पाल 2002 में अपना दल के टिकट पर प्रतापपुर सीट से विधानसभा का चुनाव भी लड़े चुके थे। हालांकि, इसके कुछ दिन बाद ही वह समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। वह सपा में अलग-अलग पदों पर रहकर लगातार काम कर रहे हैं। श्याम लाल पाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर प्रयागराज के कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की है।

श्यामलाल पाल

सपा प्रमुख ने श्रावस्ती से बदला प्रत्याशी

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव का टिकट बांटने और फिर काटने का क्रम थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसकी आंच छटें चरण तक पहुंच गई है, जहां 25 मई को मतदान होना है, लेकिन नामांकन की तारीख समाप्त होने के एक दिन पहले अखिलेश यादव ने श्रावस्ती लोकसभा सीट से प्रत्याशी बदल कर सबको चौंका दिया है। गौरतलब हो सपा प्रमुख ने पहले बसपा से निकाले गए सांसद राम शिरोमणि वर्मा को सपा ने प्रत्याशी बनाया था, परंतु गत दिवस अचानक राम शिरोमणि वर्मा का टिकट कटने की चर्चा शुरू हो गई। सोशल मीडिया पर श्रावस्ती लोकसभा सीट से प्रत्याशी बदलने और पूर्व विधायक कांग्रेस प्रदेश सचिव धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू के उम्मीदवार बनने की पोस्ट वायरल होने लगी। लोग एक दूसरे को फोन करके प्रत्याशी बदलने की पुष्टि करने लगे। धीरू के समर्थक उनके कालीथान स्थित आवास पर एकत्र होकर पटाखे जलाकर खुशी मनाने लगे। वहीं इस मौके पर माध्यमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष भगवती शुक्ल, सपा नेता इकबाल जावेद, अंगद शरन गौतम भी उनके आवास पर रहे दिखे।

भाई की मानसिक स्थिति को लेकर चिंतित रहती हूं : शर्मिला

» पूछा- भाई हर चीज में चंद्रबाबू नायडू को क्यों देखते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश कांग्रेस प्रमुख वाईएस शर्मिला रेड्डी ने कहा कि वह अपने भाई और आंध्र के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की मानसिक स्थिति को लेकर चिंतित हैं। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के एन चंद्रबाबू नायडू के निर्देश पर कांग्रेस में शामिल होने के आरोप पर रेड्डी की आलोचना करते हुए शर्मिला ने जानना चाहा कि उनके भाई हर चीज में चंद्रबाबू नायडू को क्यों देखते हैं।

शर्मिला ने कहा कि वह अपने भाई जगन को उपहार के रूप में एक दर्पण भेज रही हैं। शर्मिला ने शीशा दिखाते हुए पूछा,आप आईने में किसे ढूंढते हैं? क्या आप खुद हैं? या चंद्रबाबू जगन रेड्डी के इस आरोप पर कि चंद्रबाबू नायडू उन्हें नियंत्रित कर रहे हैं, वाईएस शर्मिला ने उन्हें अपने आरोपों के लिए सबूत दिखाने की चुनौती दी। जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआर कांग्रेस में रहते हुए उनके द्वारा चलाए गए अभियानों का जिक्र करते हुए शर्मिला ने कहा कि वह कह रहे हैं कि मैं चंद्रबाबू नायडू के निर्देश पर कांग्रेस में शामिल हुआ हूं।

अमेठी-रायबरेली में चलेगा गांधी परिवार का सिक्का!

इसबार आसान नहीं होगा बीजेपी के लिए चुनाव

बहन प्रियंका ने अमेठी व रायबरेली में तैयार किया जीत का प्लान

- कांग्रेस ने तैयार की रणनीति, राहुल रायबरेली से कई सीटों पर रखेंगे नजर
- हर हाल में बीजेपी व पीएम मोदी को राकने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वैसे तो यूपी में अमेठी व रायबरेली हमेशा से हॉट सीट रही है। साथ ही इन दोनों सीटों पर चल रहे हर माहौल की खबर देश की मीडिया में सुर्खियां बनती रहती हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में ये दोनों सीटें फिर एक बार चर्चा में हैं। इसबार रायबरेली में सोनिया गांधी के राज्य सभा में चले जाने के बाद इस सीट में उनके पुत्र राहुल गांधी चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं ये पहली बार हो रहा कि अमेठी में 25 साल के बाद मुकाबले में गांधी परिवार नहीं होगा।

इसबार वहां पर सोनिया गांधी के खास किशोरी लाल शर्मा कांग्रेस के हाथ को मजबूत करने को चुनावी मैदान में उतरे हैं वह भाजपा के स्मृति ईरानी को टक्कर देंगे। ज्ञात हो कि यूपी की हाईप्रोफाइल सीटों में शुमार अमेठी को गांधी परिवार की परंपरागत सीट माना जाता है। वर्ष 1999 के बाद अब एक बार फिर अमेठी के सियासी रण से गांधी परिवार गायब नहीं रहेगा। दरअसल, शुक्रवार की सुबह जारी दावेदारों की सूची में अमेठी से किशोरी लाल शर्मा को दावेदार बनाया गया है। इसको लेकर सियासी माहौल एक बार फिर बदल गया है। वर्ष 1999 में सोनिया गांधी ने अपना पहला चुनाव अमेठी से लड़ा था। बाद में सोनिया गांधी ने वर्ष 2004 में यह सीट बेटे के लिए छोड़ दी। राहुल गांधी 2004, 2009, 2014 में चुनाव जीत गए लेकिन, वह 2019 में भाजपा की स्मृति ईरानी से चुनाव हार गए। 1998 में इस सीट से गांधी परिवार के करीबी कैप्टन सतीश शर्मा चुनाव लड़े थे। उसके बाद से लगातार यह सीट गांधी परिवार के लिए आरक्षित रही है।

सामाजिक न्याय के मुद्दे को आक्रामक रखेगी कांग्रेस

सूत्रों के मुताबिक प्रियंका गांधी सामाजिक न्याय के मुद्दे को आक्रामक तरीके से उठाएंगी। इसके लिए प्रदेशभर से डाटा इकट्ठा किए गए हैं। वह करीब 250 से ज्यादा नुक्कड़ सभा करेंगी। इन सभाओं में स्थानीय मुद्दे भी होंगे और मंच पर मौजूद लोगों को सामाजिक समीकरण की दृष्टि से रखा जाएगा। सूत्रों का यह भी दावा है कि टीम की ओर से तैयार किए गए रोडमैप के तहत वह कुछ इलाके में घर-घर जनसंपर्क करेंगी। इस बीच स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों और दशकों से गांधी परिवार के साथ पारिवारिक संबंध रखने वाले लोगों के घर तक जाएंगी। उनके ठहरने के लिए रायबरेली के एक गेस्ट हाउस में इंतजाम किया जा रहा है।

अमेठी के सांसद एक नजर में

1967- विद्याधर बाजपेई-	कांग्रेस
1971-विद्याधर बाजपेई -	कांग्रेस
1977-रवींद्र प्रताप सिंह-	भारतीय लोक दल
1980- संजय गांधी-	कांग्रेस
1981- राजीव गांधी-	कांग्रेस
1984- राजीव गांधी-	कांग्रेस
1989- राजीव गांधी-	कांग्रेस
1991- राजीव गांधी-	कांग्रेस
1991- सतीश शर्मा-	कांग्रेस
1996- सतीश शर्मा-	कांग्रेस
1998- संजय सिंह-	भाजपा
1999- सोनिया गांधी-	कांग्रेस
2004- राहुल गांधी-	कांग्रेस
2009- राहुल गांधी-	कांग्रेस
2014- राहुल गांधी-	कांग्रेस
2019- स्मृति इरानी-	भाजपा

1976 में गांधी परिवार ने अमेठी में दस्तक दी थी

इस बार भी अमेठी में कांग्रेसी राहुल गांधी के चुनाव लड़ने की मांग कर रहे थे। यहां से लेकर दिल्ली तक पैरवी की गई लेकिन, शुक्रवार को जारी सूची में सोनिया गांधी के प्रतिनिधि किशोरी लाल शर्मा के नाम का ऐलान किया गया है। वैसे वर्ष 1976 में गांधी परिवार ने अमेठी में दस्तक दी थी। उस वक्त संजय गांधी ने यहां पर पहुंच कर श्रमदान करके सियासी भूमि तैयार की। हालांकि 1977 के पहले चुनाव में कांग्रेस के संजय गांधी चुनाव हार गए थे। वर्ष 1980 में वह चुनाव जीते लेकिन, उसी साल विमान हादसे में उनका निधन हो गया। इसके बाद उपचुनाव में राजीव गांधी ने राजनीतिक पारी शुरू की। इसके बाद से 1984, 1989, 1991 में राजीव गांधी लगातार जीते। यह बात अलग है कि वर्ष 1984 में राजीव गांधी का सियासी मुकाबला छोटे भाई की पत्नी मेनका गांधी से हुआ।

राजीव के सहयोगी सतीश ने संभाली थी विरासत

राजीव गांधी के निधन के बाद हुए उपचुनाव में 1991 में कैप्टन सतीश शर्मा ने चुनाव लड़कर जीत हासिल की। वह राजीव गांधी के करीबियों में शामिल थे। 1996 में भी वह चुनाव जीते लेकिन, 1998 में हार गए। 1998 में भाजपा के संजय सिंह ने जीत दर्ज की थी।

रायबरेली-अमेठी में प्रियंका गांधी ने कमान संभाली

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी रायबरेली में राहुल गांधी और अमेठी में केएल शर्मा की चुनावों पर पूरी नजर रखेंगी। प्रचार से लेकर चुनाव संबंधी सभी कामों के लिए एक टीम बना दी गई है। उस टीम ने मोर्चा भी संभाल लिया है। वह सोमवार सुबह यहां पहुंचते ही बूथ कमेटी की समीक्षा करेंगी। वह नुक्कड़ सभा के साथ ही घर-घर दस्तक देंगी। हालांकि पार्टी की ओर से अभी अधिकृत कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है। लंबे समय तक चली रस्साकशी के बाद अंतिम दिन रायबरेली से राहुल गांधी और अमेठी से केएल शर्मा मैदान में उतर गए हैं। नामांकन के वक्त सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी भी राहुल के नामांकन में शामिल होकर एकजुटता का संदेश दिया। अब इन दोनों सीटों की कमान प्रियंका गांधी को सौंपी गई है। पार्टी की ओर से अभी तक अधिकृत कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है, लेकिन प्रियंका गांधी की 40 सदस्यी टीम रायबरेली पहुंच गई है। यह टीम प्रियंका के चुनाव प्रचार की रणनीति तैयार कर रही।

रायबरेली से और सीटों पर नजर

पार्टी सूत्रों के मुताबिक प्रियंका गांधी रायबरेली से ही अन्य राज्यों में कुछ समय के लिए चुनाव प्रचार के लिए जा सकती हैं। वह यहां से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट जैसे नेताओं के निरंतर संपर्क में रहते हुए चुनाव अभियान का संचालन करेंगी।

देखने वाली होगी भाजपा-कांग्रेस की जंग

रयबरेली की हाई प्रोफाइल लोकसभा सीट पर प्रदेश के राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह को दूसरी बार भाजपा ने चुनाव मैदान में उतारा है। इससे पूर्व 2019 के लोकसभा चुनाव में भी दिनेश प्रताप सिंह को ही भाजपा ने टिकट दिया था। 2019 लोकसभा का चुनाव भले ही दिनेश जीत न पाएं हों, लेकिन उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी सोनिया गांधी को कड़ी टक्कर दी थी। इससे सोनिया गांधी की जीत का अंतर कम हो गया था। रायबरेली लोकसभा सीट पर चुनाव जीतने के लिए भाजपा इस बार शुरुआती दौर से ही जोरआजमाइश कर रही है। काफी समय से टिकट घोषणा को लेकर

असमंजस की स्थिति चल रही थी। कभी वरुण गांधी तो कभी पूर्व मंत्री मनोज कुमार पांडेय समेत अन्य दावेदारों के चुनाव लड़ने की अटकलें लगाई जा रही थी। इन अटकलों पर बृहस्पतिवार को पूर्ण विराम लग गया। भाजपा ने स्थानीय चेहरे पर दूसरी बार दांव लगाते हुए दिनेश प्रताप सिंह को ही चुनाव मैदान में उतार दिया। दिनेश प्रताप सिंह कभी कांग्रेस में थे, लेकिन वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले वर्ष 2018 में उन्होंने भाजपा ज्वाइन कर लिया था। पार्टी ने उन्हें चुनाव मैदान में भी उतारा था। वर्ष2019 के लोकसभा चुनाव में दिनेश ने तीन लाख 67 हजार 740 मत हासिल किए थे, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी सोनिया गांधी को पांच लाख 31 हजार 918 मत मिले थे।

दलित वोट होंगे निर्णायक

भाजपा का थिंकटैंक रायबरेली का किला फतेह करने के लिए 2019 में हार के बाद से लग गया था। उस चुनाव में क्या कमी थी इसे लेकर पार्टी के भीतर प्रदेश स्तर से लेकर जिला स्तर तक आत्ममंथन किया और विधानसभा चुनाव 2022 के बाद जिला स्तर पर बड़ा फेरबदल कर बुद्धीलाल पासी को जिलाध्यक्ष बनाया। इसका मुख्य कारण रहा कि जिले में पासी जाति का वोट प्रतिशत करीब 27 फीसदी है और यह चुनाव में बहुत बड़ी भूमिका अदा करता है। कांग्रेस की रणनीति भी इसी वोटबैंक पर अधिक केंद्रित रहती है तो ऐसे में भाजपा ने बुद्धीलाल पासी को जिलाध्यक्ष बनाकर मास्टर स्ट्रोक खेलते हुए कांग्रेस को उसी के फार्मूले से घेरने की तैयारी की है। भाजपा का संगठन पिछले बार के लोकसभा चुनाव से चार गुना मजबूत है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अपनी ताकत पहचानिये वोट जरुर डालिये!

अभी पिछले दो चरणों में मतदान हुए हैं उसके जो आंकड़े चुनाव आयोग ने जारी किए हैं उससे तो ऐसा लगता है वोटिंग प्रतिशत 2019 की अपेक्षा कम रही। इस कम वोटिंग प्रतिशत ने जहां चुनाव आयोग को चिंतित कर दिया है वहीं सियासी दलों व नेताओं के माथे पर भी बल ला दिया है। हालांकि सारी राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने हिसाब से गिरते मतदान प्रतिशत को अपने पक्ष में बता रही है।

कल तीसरे चरण के वोट डाले जाएंगे। लोकतंत्र के इस सबसे बड़े उत्सव में सभी को भाग लेना चाहिए। कल 12 राज्यों के 93 सीटों पर मतदान होना है। अभी पिछले दो चरणों में मतदान हुए हैं उसके जो आंकड़े चुनाव आयोग ने जारी किए हैं उससे तो ऐसा लगता है वोटिंग प्रतिशत 2019 की अपेक्षा कम रही। इस कम वोटिंग प्रतिशत ने जहां चुनाव आयोग को चिंतित कर दिया है वहीं सियासी दलों व नेताओं के माथे पर भी बल ला दिया है। हालांकि सारी राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने हिसाब से गिरते मतदान प्रतिशत को अपने पक्ष में बता रही है। ये तो 4 जून को ही पता चलेगा की जनता ने किसको सत्ता सौंपी है। पर इन सबसे अलग ये मामला बहुत गंभीर है कि पीएम से लेकर बड़े-बड़े नेताओं की अपील के बाद भी वोटिंग प्रतिशत बढ़ क्यों नहीं रहा है। जबकि निर्वाचन आयोग मतदाताओं को पोलिंग बूथ तक ले जाने के लिए कई जुगत लगा रहा है।

खाने-पीने की चीजों से लेकर पुरस्कार तक देने की घोषणा कर रहा ताकि मतदान का प्रतिशत पहले के चुनावों की अपेक्षा बढ़ जाए। विशेषज्ञ कहते हैं गर्मी का मौसम भी लोगों को घरों से बाहर न निकलने से रोक रही है। तो कुछ कह रहे हैं कि सत्ता पक्ष से लोग उदासीन हैं इसलिए वे वोट नहीं करना चाहते हैं। कुछ ये बाते कर रहे हैं विपक्षी दलों के प्रत्याशी लोगों को खींच नहीं पा रहे हैं, बात चाहे जो हो वोटिंग प्रतिशत गिरना स्वस्थ लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। अगर वोट कम पड़ेंगे तो हो सकता है कि अच्छे लोग चुनाव न जीत पाएं और ऐसे लोग संसद में पहुंच जाए जो अपने बारे में ज्यादा सोंचे और आमजन के बारे कम। ये भी हो सकता है मौजूदा लोग ही सत्ता पर काबिज हो जाएं जो अपनी सरकार चला रहे है। वो भी ठीक नहीं क्योकि हमारे संविधान ने हर पांच साल में सरकार बदलने की ताकत हमे दी है। हर पांच साल में सत्ता बदलते रहना चाहिए वरना सता निरकुंश हो जाती है जो कि आम जन के लिए घातक हो सकती है। हर पाचं साल में वोटिंग से सत्ता पर हमेशा सवालों के जवाब देने का दबाव बना रहता है। सात चरणों में हो रहे लोकसभा चुनावों के लिए 19 अप्रैल को पहले चरण में 66.14 और 26 अप्रैल को दूसरे चरण में 66.71 फीसदी मतदान हुआ था। चुनाव आयोग ने इतने दिनों बाद दोनों चरणों में हुए मतदान के लिए 30 अप्रैल को अब आंकड़े जारी किए हैं। हालांकि, अभी तक दो चरणों के लिए हुआ मतदान 2019 के मुकाबले कम रहा। चुनाव आयोग ने बताया कि वैसे तो दोनों ही चरणों के लिए हुए मतदान में महिलाओं ने कम वोट डाली। आंकड़ों पर नजर डालें तो फेज-1 में 66.22 फीसदी पुरुष, 66.07 प्रतिशत महिला और 31.32 फीसदी थर्ड जेंडर ने वोट डाले। इसी तरह से दूसरे चरण के लिए 66.99 फीसदी पुरुष, 66.42 महिला और 23.86 फीसदी थर्ड जेंडर ने वोट डाले। इसलिए आलस छोड़िए देश को बढ़ाने के लिए अपनी ताकत का इस्तेमाल कीजिए और वोट देने के लिए बूथ पर अवश्य जाएं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

धर्म या संविधान से देश की प्रगति?

रंजना ध्रुव प्रकाश

पत्रकार

भारत में संविधान को लेकर विभिन्न विचारधाराओं के बीच विवाद उठता रहता है। कई बार राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक मुद्दों पर अलग-अलग समूहों के द्वारा विवाद पैदा होता है, जिससे आम लोगों के बीच असंतोष उत्पन्न होता है। राजनीतिक पार्टियां अक्सर संविधान के विभिन्न प्रावधानों का उपयोग अपने राजनीतिक अभियानों में करती हैं, जिससे वे अपने दृष्टिकोण को समर्थित करने का प्रयास करती हैं। इसमें अक्सर वे विवादास्पद मुद्दों को उठाते हैं, अपने पक्ष को मजबूत करने के लिए विभाजन बढ़ाते हैं और विभिन्न समुदायों के बीच असन्तोष बढ़ाते हैं।

इसके लिए उन्हें लोगों को उनकी आस्था और भावनाओं के साथ जुड़ने का माध्यम मिलता है। राजनैतिक पार्टियां धर्म के नाम पर समाज के लोगों में आपस में मतभेद पैदा करने का काम करती है जबकि धर्म क्या कहता है धर्म क्या है यह कोई जानना नहीं चाहता है धर्म व्यक्तियों के आत्मिक और आध्यात्मिक मूल्यों, नैतिकता, और धार्मिक अनुष्ठानों का संग्रह है यह व्यक्ति के जीवन में उसके कृत्यों और व्यवहार में मार्गदर्शन प्रदान करता है। धर्म विभिन्न संस्कृतियों, समुदायों और धार्मिक सम्प्रदायों के अनुसार भिन्न-भिन्न होता है इसे किसी भी रूप में किसी भी राजनैतिक पार्टी द्वारा अपने अनुसार इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए या एक व्यक्ति का अधिकार है की वह किस धर्म जाति समुदाय से है और वह किस तरह के धार्मिक अनुष्ठानों में विश्वास रखता है। परंतु भारत में धर्म की राजनीति करना एक आम बात हो गई है। धर्म की राजनीति वह विवादास्पद क्षेत्र है जिसमें धार्मिक आदान-प्रदान को राजनीतिक मुद्दों में उपयोग किया जाता है यह राजनीतिक निर्णयों, नीतियों और कानूनों को प्रभावित करता है जिससे समाज में आत्मिकता, सामाजिक समरसता और न्याय को लेकर विवाद उत्पन्न हो जाता है।

हमारा देश संविधान से ही चलता है धर्म की राजनीति से नहीं संविधान ही देश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और देश को अधिकारिक और सामर्थ्यपूर्ण बनाने में सहायक होता है संविधान राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता, और न्याय के मूल्यों को बनाए रखने का काम करता है और समाज के सभी वर्गों को समानता का अधिकार दिलाता है इसलिए, देश को संविधान से ही चलाना चाहिए, क्योंकि यह एक सामाजिक समझौता है जो सभी को समान अवसर और न्याय प्रदान करता है। परंतु राजनेताओं द्वारा संविधान से नहीं बल्कि धर्म की राजनीति का उपयोग राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में शक्ति को बढ़ाने के लिए करते है, इसके दुष्ट परिणाम भी देखने को मिलते हैं। धर्म के नाम पर राजनीति करने से समाज में धार्मिक भेदभाव, संघर्ष, और विवाद बढ़ जाते हैं इससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमी होती है और समाज में समरसता की बजाय असमानता का माहौल बनता है।

राजनीतिक पार्टियां अक्सर संविधान के विभिन्न प्रावधानों का उपयोग अपने राजनीतिक अभियानों में करती हैं, जिससे वे अपने दृष्टिकोण को समर्थित करने का प्रयास करती हैं। इसमें अक्सर वे विवादास्पद मुद्दों को उठाते हैं, अपने पक्ष को मजबूत करने के लिए विभाजन बढ़ाते हैं और विभिन्न समुदायों के बीच असन्तोष बढ़ाते हैं। इसके लिए उन्हें लोगों को उनकी आस्था और भावनाओं के साथ जुड़ने का माध्यम मिलता है। राजनैतिक पार्टियां धर्म के नाम पर समाज के लोगों में आपस में मतभेद पैदा करने का काम करती है जबकि धर्म क्या कहता है धर्म क्या है यह कोई जानना नहीं चाहता है धर्म व्यक्तियों के आत्मिक और आध्यात्मिक मूल्यों, नैतिकता, और धार्मिक अनुष्ठानों का संग्रह है यह व्यक्ति के जीवन में उसके कृत्यों और व्यवहार में मार्गदर्शन प्रदान करता है।

धर्म की राजनीति करने पर लोकतंत्र मजबूत होने की बजाय खतरे में हो सकता है। लोकतंत्र में सभी नागरिकों को समान अधिकार और लिबर्टी प्राप्त होती है, और धर्म की राजनीति से इसे खतरे में डाला जा सकता है। लोकतंत्र में संविधान की मान्यता और पालना होना चाहिए, जो सभी को समान रूप से लाभान्वित करने के लिए होता है। संविधान देश की सबसे महत्वपूर्ण नींव है और इसे समाज की सामाजिक, आर्थिक, और राजनीतिक जिम्मेदारियों के साथ बनाए रखना चाहिए धर्म की राजनीति के बजाय संविधान के माध्यम से ही देश को चलाना चाहिए, जो समाज में समानता, न्याय, और समरसता के मूल्यों को प्रोत्साहित करता है।

शांति प्रयासों से खुलती विकास की राहें

मधुरेन्द्र सिन्हा

आजादी के दशकों बाद भी पूर्वोत्तर में उग्रवाद खत्म नहीं हुआ। कई हिंसक गुट खून-खराबे पर उतरते रहे और इस सुरम्य क्षेत्र की शांति को भंग करते रहे। सरकारें कोई ठोस कदम नहीं उठा पाईं और अशांति बनी रही। लेकिन इसके बाद केन्द्र सरकार की नीतियां बदलीं और कई सार्थक परिणाम देखने में आये। असम जैसे राज्य में, जहां घुसपैठियों के कारण हालत खराब रहे और लंबे समय से अशांति रही, वहां आशातीत सफलता मिली। केन्द्रीय गृह मंत्रालय की पहल पर जनवरी, 2020 को दिल्ली में दशकों पुरानी बोडो समस्या के समाधान के लिए त्रिपक्षीय समझौता किया गया। इसमें भारत सरकार, असम सरकार और बोडो आंदोलन से जुड़े उग्रवादी समूहों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। यह समझौता इतना कारगर रहा कि लगभग 1500 सशस्त्र आंदोलनकारियों ने हथियार डाल दिये। यह एक अभूतपूर्व समझौता था। जिसके चलते असम शांत हो गया है और वहां प्रगति होती दिखाई दी।

दिसंबर, 2023 में असम में उल्फा उग्रवादियों के साथ भी केन्द्र सरकार ने एक निर्णायक समझौता किया। जिसने भविष्य में शांति की गहरी उम्मीद जताई है। केंद्रीय गृहमंत्री ने इसमें व्यक्तिगत रुचि दिखाई और इस समझौते पर सरकार और उग्रवादी संगठन ने हस्ताक्षर किये। जिसके फलस्वरूप 700 से भी ज्यादा हथियारबंद युवाओं ने आत्मसमर्पण कर दिया। यह समझौता इस मायने में ऐतिहासिक है कि उल्फा उग्रवाद से राज्य को बहुत नुकसान हुआ, हत्याओं का दौर चला और बंदूकें गरजती रहीं। दोनों ओर से लोग मारे जाते रहे। लेकिन अब इस समझौते ने शांति का द्वार खोला है और असम की प्रगति का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। केन्द्र सरकार वहां घुसपैठिया समस्या से निपटने के लिए कई तरह के कदम उठा रही है और उसमें काफी सफलता भी मिली है। इन सबसे राज्य में शांति आई है और राज्य सरकार के लिए कामकाज करना आसान हो गया है। पिछले साल मार्च में केन्द्रीय गृहमंत्री ने घोषणा की थी कि अफस्पा को एक जिले से हटा दिया गया है और अब सशस्त्र बलों को उस इलाके में अब खुली छूट नहीं है। यानी कि वे भी किसी भी तरह की हिंसात्मक घटना के लिए जिम्मेदार होंगे। पहले उन पर मुकदमे वगैरह नहीं चलाए जा सकते थे।

असम में दो और समझौते हुए। एक था असम-मेघालय सीमा समझौता और दूसरा कार्बी-आंगलोंग समझौता। इन समझौतों ने राज्य में दीर्घकालीन शांति और समृद्धि के लिए एक मार्ग प्रशस्त किया है। असम के मध्य में स्थित, कार्बी आंगलोंग राज्य का सबसे बड़ा जिला है और नृजातीय तथा आदिवासी समूहों- कार्बी, डिमासा, बोडो, कुकी, हमार, तिवा, गारो, मान (ताई बोलने वाले), रेंगमा नागा संस्कृतियों का मिलन बिंदु है। इसकी विविधता ने विभिन्न संगठनों को भी जन्म और उग्रवाद को बढ़ावा दिया। जिसने इस क्षेत्र को विकसित नहीं होने दिया। कार्बी असम का एक प्रमुख जातीय समूह है, जो कई गुटों और इनके भागों से घिरा हुआ है। कार्बी आंगलोंग जिले के विद्रोही समूह जैसे पीपुल्स डेमोक्रेटिक काउंसिल ऑफ कार्बी लोंगरी (पीडीसीके), कार्बी लोंगरी एनसी हिल्स लिबरेशन फ्रंट (केएलएनएलएफ) वगैरह एक अलग राज्य बनाने की मांग कर रहे थे। यह एक महत्वपूर्ण समझौता है जो हिंसा को समाप्त करने में मदद करेगा। यहां पर स्थानीय जनता को कुछ विधायी अधिकार देने का भी प्रस्ताव है।

केन्द्र सरकार ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि पूर्वोत्तर से धीरे-धीरे सशस्त्र बल सुरक्षा कानून को हटाती जायेगी क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में यहां की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। नगालैंड, जो कभी उग्रवाद का केन्द्र था, अब बेहद शांत हो गया है। कानून-व्यवस्था की स्थिति में वहां काफी सुधार हुआ है। नागा युवा अब राष्ट्र की मुख्य धारा में प्रवेश करते जा रहे हैं। पूर्वोत्तर के ज्यादातर बाशिंदे आदिवासी हैं और उनमें भी ज्यादातर लड़ाकू जातियों से हैं। वे दूसरों को अपने पर हावी होने देना नहीं चाहते और जरूरत पड़ने पर हिंसा करते हैं। नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, असम वगैरह राज्यों में ऐसा कई बार हुआ। यहां पर राज्य सरकार के अलावा केन्द्र सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उसे न केवल शांति बनाये रखना होता है बल्कि पीड़ितों के लिए समुचित व्यवस्था भी करनी होती है। ब्रू-रियांग समझौता इस दिशा में एक ऐतिहासिक समझौता रहा, जो त्रिपुरा में मिजोरम से भागकर आये हुए अल्पसंख्यक ब्रू आदिवासियों के हित में किया गया।

दरअसल मिजोरम में उनके विरुद्ध हिंसा के कारण लगभग 5,000 परिवार भागकर उत्तरी त्रिपुरा चले गये थे। वहां वे बस गये लेकिन कई तरह की समस्याएं खड़ी हो गईं। इसके बाद वर्ष 2020 में केन्द्र सरकार, मिजोरम सरकार, ब्रू समुदाय के नेताओं और त्रिपुरा के बीच एक समझौता हुआ। जिसे ब्रू-रियांग समझौता कहा जाता है। इसे कार्यान्वित करने में केन्द्र सरकार की बड़ी भूमिका रही। केन्द्र ने इसके लिए 621 करोड़ रुपये खर्च करने का वादा किया ताकि वे आर्थिक रूप से मजबूत हो जायें। इस ऐतिहासिक समझौते से दो राज्यों में शांति का मार्ग प्रशस्त हुआ। त्रिपुरा में ही एक और समझैता हुआ। वह था नेशनल लिब्रेशन फ्रंट का। इस उग्रवादी संगठन से बातचीत करके केन्द्र सरकार और त्रिपुरा सरकार ने समझौते की शर्तों का प्रारूप तैयार किया। इससे त्रिपुरा में उग्रवाद पर अंकुश लगा। केन्द्र ने बहुत ही लचीलेपन से इस समझौते को अंजाम दिया। जिसके सार्थक परिणाम देखने में आए। पहले की सरकारों ने समस्याओं के राजनीतिक समाधान कम और सैन्य समाधान पर ज्यादा जोर दिया। पिछले कई सालों से स्थितियां बदलती जा रही हैं। केन्द्र सरकार के प्रयासों से काफी शांति हुई है और ये राज्य प्रगति के रास्ते पर तेजी से चलने में समर्थ हो रहे हैं।

चावल से बने इन पकवानों का करें सेवन

गर्मी का मौसम अपने साथ कई तरह की परेशानियां लेकर आता है। तेज धूप और चिलचिलाती गर्मी की वजह से शरीर में कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। इसी वजह से लोग इस बदलते मौसम में अपने पहनावे से लेकर खाने तक में बदलाव कर देते हैं। इस मौसम में लोगों को अपने खान-पान का खास ध्यान रखना पड़ता है, क्योंकि तेज गर्मी में अगर कुछ थोड़ा सा इधर-उधर का खाया, तो तबियत खराब होने के हालात बनने लगते हैं। इसके अलावा कम पानी पीने या ज्यादा तला-भुना खाने से डिहाइड्रेशन की समस्या होने लगती है। इसी वजह से ज्यादातर लोग गर्मी में हल्का भोजन करना पसंद करते हैं। अगर आप भी खाने के कुछ ऐसे विकल्प तलाश रहे हैं, जो काफी हल्के हों, तो इन पकवानों को खाकर आपका मन भी खुश रहेगा।

कोरिएंडर राइस

अगर जल्दी में है, लेकिन कुछ हेल्दी और स्वादिष्ट खाने का मन है तो झटपट कोरिएंडर राइस तैयार कर सकते हैं। ये कम समय में बनने वाला स्वादिष्ट और हेल्दी विकल्प होता है। इसे आप रायते और पापड़ के साथ खा सकते हैं। धनिया चावल तैयार करते समय सबसे पहले, मसाला पेस्ट के लिए केवल ताजा हरे धनिया पत्तियां और हर्ब्स का उपयोग किया है। लेकिन आप समान मात्रा में पुदीना के पत्तों को जोड़कर आसानी से प्रयोग कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आपके पास बचे हुए चावल हैं, तो धनिया चावल जल्दी बना सकते हैं। कोरिएंडर राइस का स्वाद बढ़ाने के लिए आप इसमें बारीक कटी हरी मिर्च और करी पत्ता डाल सकते हैं।

कर्ड राइस

इस मौसम में दही खाने से पेट को काफी लाभ मिलता है। ऐसे में आप चाहें तो कर्ड राइस बना सकती हैं। ये खाने में काफी स्वादिष्ट होता है और इसे आप गर्मी में लंच में खा सकती हैं। ये आपके पेट को गर्मी से राहत दिलाएगा।

मिंट राइस

अगर आप भी एक जैसा पुलाव या बिरयानी खा-खाकर बोर हो गए हैं तो आज घर पर बनाएं बेहद टेस्टी, हेल्दी और झटपट तैयार होने वाला मिंट राइस। मिंट यानी पुदीने की तासीर ठंडी होती है और यह गर्मी के दिनों में बेहद फायदेमंद माना जाता है। इस मौसम में पुदीना शरीर को काफी फायदा पहुंचाता है। ऐसे में आप चाहें तो घर पर मिंट राइस बना सकती हैं। पुदीना शरीर को ठंडक पहुंचाने का काम करता है। इसे आप पापड़ और दही के साथ परोस सकती हैं। सबसे पहले चावल को अच्छी तह से धोकर 20 मिनट के लिए पानी में भिगोकर रखें। एक ब्लेंडर में पुदीना की पत्तियां, हरी मिर्च और अदरकर को डालकर अच्छी तरह से पीस लें। अब फ्राइंग पैन को गैस पर रखें और उसमें ऑलिव ऑइल डालकर उसमें प्याज, इलायची, दालचीनी, लौंग और तेजपत्ता डालें। अब पुदीना पेस्ट और मटर के दाने डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें। चावल, नमक, नींबू का रस और पानी डालकर पकाएं।चावल जब अच्छी तरह से पक जाए तो इसे सर्विंग बाउल में निकालकर पुदीने की पत्तियों से सजाकर सर्व करें।

गर्मी में मन के साथ पेट भी होगा खुश

लेमन राइस

ये खाने में काफी स्वादिष्ट होता है। आप चाहें तो इसे रायते के साथ टिफिन में भी रखकर ले जा सकती हैं। इसमें मूंगफली और करी पत्ते की वजह से स्वाद काफी अच्छा आता है। इसी के चलते आप चाहें तो इस भीषण गर्मी में लेमन राइस तैयार कर सकते हैं। लेमन राइस में नींबू का रस होता है, जो शरीर को अच्छे से हाइड्रेट करता है। ये विटामिन सी का अच्छा स्रोत है। यह शरीर को विटामिन सी प्रदान करता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाये रखने में मदद कर सकता है और त्वचा की चमक बरकरार रखने में सहायता कर सकता है। लेमन राइस में हल्दी, लहसुन और अन्य मसाले होते हैं, जो पाचन के लिए सहायक हो सकते हैं। ये मसाले डाइजेशन और पेट की परेशानियों को कम करने में मदद कर सकते हैं।

हंसना मना है

एक अंकल ने एक बच्चे से पूछा- पढ़ाई कैसी चल रही है... बच्चे ने जवाब दिया - अंकल, समंदर जितना सिलेबस है, नदी जितना पढ़ पाते हैं, बाल्टी भर याद होता है, गिलास भर लिख पाते हैं, चुल्लू भर नंबर आते हैं, उसी में डूब कर मर जाते हैं..

कर्मचारी - हेलो सर, मुझे आतंकवादियों ने पकड़ लिया है, दोनों हाथ काट दिए, आंख फोड़ दी, किडनी निकाल ली... बॉस - देख ले... हो सके तो आजा, आज ऑडिट है...!!!

एक औरत ने अपनी पड़ोसन से पूछा- क्या तुम्हें ऐसा आदमी पसंद है, जिसके सारे बाल सफेद हों और डाई करके जवान बनने की कोशिश करता हो...? चार कदम चलने पर जिसकी सांस फूल जाती हो, दफ्तर से घर आकर शराब पीना शुरू कर देता हो ...! पड़ोसन - नहीं, हरगिज नहीं.... भला ऐसे मर्द को कौन औरत पसंद करेगी...! औरत - तो फिर मेरे पति के पीछे क्यों पड़ी हो...?

एक हवाई जहाज तूफान में फंस गया... पायलट बोला- किसी को बचने की दुआ आती है क्या...? एक बाबा बोले- हां, मुझे आती है...! पायलट - ठीक है बाबा, आप दुआ कीजिए, एक पैराशूट कम है...!!! बाबा बेहोश...

कहानी | श्री कृष्ण ने दिखाया ब्रह्मांड

यह बात उस समय की है जब दुष्टों को मारने और देश में धर्म की स्थापना के लिए भगवान विष्णु ने कृष्ण का अवतार लिया था। द्वापर युग की यह घटना कृष्ण भगवान के बाल जीवन से जुड़ी है, जब वह नंदगांव में मां यशोदा की देखरेख में बड़े हो रहे थे। उस समय उनके नटखट स्वभाव की चर्चा पूरे वृन्दावन में थी। एक दिन की बात है, भगवान श्री कृष्ण घर के बाहर मिट्टी के आंगन में खेल रहे थे। उसी समय उनके बड़े भाई दाऊ वहां आए और देखा कि कन्हैया मिट्टी खा रहे हैं। दाऊ ने उनकी शिकायत लेकर मां यशोदा के पास पहुंचे। दाऊ ने कहा- मां, तुम्हारा प्यारा लाला आंगन में मिट्टी खा रहा है। यह सुनते ही यशोदा मां सीधे बाल गोपाल के पास पहुंची और पूछा- लाला, तुमने मिट्टी खाई है। कान्हा बोले- नहीं, मां मैंने मिट्टी नहीं खाई। मां यशोदा को कान्हा की बात पर विश्वास नहीं हुआ और कहा- कान्हा, मुंह खोलकर दिखाओ कि तुमने मिट्टी नहीं खाई है। मां यशोदा की बात सुनकर कान्हा ने जैसे ही मुंह खोला, मैया यशोदा चौंक गईं। माता को कान्हा के मुंह में मिट्टी कहीं नहीं नजर आई, बल्कि पूरा का पूरा ब्रह्मांड नजर आ रहा था। मां यशोदा को अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हो रहा था। अपने छोटे से कन्हैया के मुंह में उन्हें सारी सृष्टि और जगत के समस्त प्राणी नजर आ रहे थे। मां यशोदा ये नजारा ज्यादा देर तक नहीं देख सकीं और बेहोश हो गईं। जब मां यशोदा की आंखें खुलीं, तो उनके मन में बाल कृष्ण के लिए प्यार जाग रहा था। उन्होंने श्री कृष्ण को गले से लगा लिया और उनकी आंखें आंसुओं से भर गईं। मां यशोदा को यकीन हो गया था कि कान्हा कोई साधारण बालक नहीं है, बल्कि वो स्वयं सृष्टि के स्वामी और परमात्मा के अवतार हैं।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा।

वृषभ चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

मिथुन व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार में विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी।

कर्क डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा।

सिंह योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्या कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी।

तुला बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी।

वृश्चिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

धनु स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा।

मकर रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी।

कुम्भ विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दुःखद समाचार मिल सकता है। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें।

मीन मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे कोविड-19 वैक्सीन से अटैक पड़ा : श्रेयस

श्रेयस तलपड़े के लिए पिछले साल दिसंबर का महीना काफी मुश्किल भरा था। 14 दिसंबर 2023 को उन्हें अचानक बैचेनी महसूस हुई। हॉस्पिटल पहुंचे तो पता चला कि उन्हें हार्ट अटैक आया है। हार्ट अटैक के बाद एक्टर की एंजियोप्लास्टी की गई थी। हालांकि, अब वो बिल्कुल ठीक हैं। समय पर दवाइयां ले रहे हैं और सेहत का खास ख्याल रख रहे हैं। लेकिन एक्टर ने अब चौंकाने वाला दावा किया है। उनका कहना है कि उनके हार्ट अटैक का ताल्लुक कोविड-19 वैक्सीन से है। एक लेटेस्ट इंटरव्यू में श्रेयस तलपड़े ने अपने हार्ट अटैक पर बात की है। इस दौरान उन्होंने एक शॉकिंग दावा किया। एक्टर ने कहा कि वो इस बात को नकार नहीं सकते कि कोविड-19 वैक्सीन का उनके हार्ट अटैक से कोई लेना-देना नहीं है। एक्टर ने कहा- मैं सिर्फ महीने में एक बार ही ड्रिंक करता हूं। तंबाकू नहीं लेता। हां, मेरा कोलेस्ट्रॉल का लेवल थोड़ा हाई था। लेकिन मुझे बताया गया था कि आज के टाइम वो नॉर्मल है। मैं उसके लिए मेडिकेशन ले रहा था और उससे वो कम हो गया था। एक्टर आगे बोले-मुझे डायबिटीज नहीं है, ब्लड प्रेशर की प्रॉब्लम नहीं है, तो फिर हार्ट अटैक आने का क्या कारण हो सकता है? एक्टर ने आगे सवाल करते हुए कहा- अगर इतना ध्यान रखने के बाद ये हो सकता है तो फिर इसका कारण कुछ और ही है। मैं इस थ्योरी को नकारूंगा नहीं। कोविड-19 वैक्सीन के बाद से ही मुझे कुछ थकावट महसूस होने लगी थी। इसमें कुछ तो सच्चाई है और हम इसे नकार नहीं सकते। हो सकता है कि यह कोविड या फिर वैक्सीन की वजह से हो, लेकिन हार्ट अटैक का आना इससे जुड़ा हुआ है। श्रेयस तलपड़े को जबसे अंदेशा हुआ कि उनके हार्ट अटैक का ताल्लुक कोविड वैक्सीन से जुड़ा है, तब से वो इस बारे में और ज्यादा रिसर्च करने को इच्छुक हैं एक्टर ने कहा- यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि हम वाकई में नहीं जानते कि हमने अपनी बॉडी के अंदर क्या डाला है।

फिर तहलका मचाने को तैयार मनोज बाजपेई

द फैमिली मैन-3 की शूटिंग की शुरू

प्राइम वीडियो ने अपनी पॉपुलर ओरिजिनल सीरीज द फैमिली मैन के मच अवेटेड तीसरे सीजन की शूटिंग शुरू करने की घोषणा कर दी है। राज एंड डीके की अनोखी जोड़ी द्वारा बनाई गई सीरीज, उनके बैनर डी2आर फिल्म्स के तले बनाई गई है, इस क्रिटिकली एक्लेम्ड एक्शन थ्रिलर ने दुनिया भर के दर्शकों को थ्रिल कर दिया था।

ऐसे में जब से सीजन 2 खत्म हुआ है, तब से इसकी एक बड़ी फैन फॉलोइंग देखने मिल रही है। सीजन 3 जो फिलहाल प्रोडक्शन में है। इस सीजन में भी मनोज बाजपेयी एक बार फिर से श्रीकांत तिवारी के आइकॉनिक किरदार को निभाएंगे, जो एक मिडल क्लास आदमी और वर्ल्ड क्लास स्पाई है।

आने वाले सीजन में, श्रीकांत को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए मुश्किल खतरे से अच्छी तरह से निपटते हुए देखेंगे, साथ ही पारिवारिक जीवन की जिम्मेदारियों को भी संभालते हुए। वह अपनी पत्नी के साथ अपने रिश्ते को सुधारने के लिए भी बहुत सारी कोशिश करते नजर आयेगा। जैसे-जैसे श्रीकांत समय के उलट दौड़ लगाता है, स्थिति और ज्यादा गंभीर होती जाती है, क्योंकि उसे एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी को हराना है साथ ही अपने देश और उसकी स्वतंत्रता की रक्षा भी करनी है।

राज एंड डीके द्वारा क्रिएटेड और डायरेक्टेड, सुमन कुमार और राज एंड डीके द्वारा लिखित, मच अवेटेड तीसरे सीज़न में कई ओरिजनल कास्ट मेंबर्स वापस नजर आएंगे, जिनमें प्रियामणि (सुचित्रा तिवारी), शारिब हाशमी (जेके तलपड़े), अश्लेषा ठाकुर (धृति तिवारी), वेदांत सिन्हा (अथर्व तिवारी) का नाम शामिल हैं। फैंस शो में नए कलाकारों को शामिल होते हुए देख सकते हैं, जो कुछ रोमांचक लेकर आएंगे।

फिल्म इंडस्ट्री में उचित इज्जत नहीं मिलने पर दुखी है अलाया एफ

बॉलीवुड | मसाला

साल 2020 में फिल्म आई थी जवानी जानेमन। इस फिल्म से एक्ट्रेस पूजा बेदी की बेटी अलाया एफ ने डेब्यू किया था। इसके बाद अलाया को काफी कमर्शियल काम मिला। कुछ अच्छे कॉन्टेंट वाले भी प्रोजेक्ट्स ऑफर हुए। अब अलाया को इंडस्ट्री में आए 4 साल हो गए हैं। धीरे-धीरे करके ही अलाया फिल्म इंडस्ट्री में आगे बढ़ रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में अलाया ने अपनी जर्नी पर रोशनी डाली।

एक इंटरव्यू में अलाया ने अपनी एक इच्छा जाहिर की। वो ये कि वो वही इज्जत डिजर्व करती हैं जो बाकी के सेलिब्रिटीज को इंडस्ट्री में मिलती है। अलाया से पूछा गया कि वो किस तरह का बदलाव इंडस्ट्री में देखती हैं। इसपर एक्ट्रेस ने कहा- मैं बस वही इज्जत चाहती हूं जो बाकी के सेलेब्स को मिलती है। किसी को ज्यादा पैसे क्यों मिलते हैं, हमें क्यों नहीं मिलते। हमें ही पैसे क्यों कम ऑफर होते हैं। किसी को वैनिटी वैन बड़ी मिलती है। कोई लग्जूरियस होटल में रुकता है। लेकिन ये इज्जत हमें तो नहीं मिलती। मैं यंग हूं, न्यू हूं, मुझे फर्क नहीं पड़ता कि कौन छोटा है कौन बड़ा है। कोई महिला है या पुरुष, मैं इन चीजों पर ध्यान नहीं देती हूं, लेकिन मुझे इज्जत चाहिए। कोई क्यों इस फील्ड में किसी से तहजीब से बात नहीं कर सकता है। ये तो एक बेसिक इज्जत होती है जो आप किसी को भी देते हैं। मेरे साथ कितनी बार हुआ है कि मुझे जल्दी बुला लिया गया और एक्टर 4 घंटे लेट आया। मुझे ये क्यों नहीं बताया गया। जब एक्टर लेट हैं तो आपने मुझे जल्दी बुलाकर क्या ही कर लिया।

अजब-गजब | सिलिकोसिस नाम की बीमारी से ग्रसित हो जाते हैं खदान मजदूर

इसे कहा जाता है विधवाओं का गांव

भारत में शादियों को काफी महत्व दिया जाता है। लोग अपने घर की बेटियों को काफी छानबीन कर दूसरे घर भेजते हैं। इस बात का खास ध्यान रखा जाता है कि दूसरे घर में बेटी को किसी तरह की कोई तकलीफ ना हो। ऐसे में हम आपको राजस्थान के एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां शायद ही कोई मां-बाप अपनी बेटी की शादी करवाना चाहेगा। इस गांव में ब्याह कर आने वाली ज्यादातर महिलाएं कुछ महीने बाद ही विधवा हो जाती हैं।

राजस्थान के बूंदी जिले में स्थित बुधपुरा गांव को विधवाओं का गांव भी कहा जाता है। जी हां, इस गांव में रहने वाली ज्यादातर महिलाएं विधवा हैं। चूंकि, शादी के कुछ ही समय बाद इनके पतियों की मौत हो जाती है, ऐसे में ज्यादातर के पास अपने छोटे से बच्चे को पालने की बड़ी जिम्मेदारी भी होती है। अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर इनके पति की मौत कैसे हो जाती है? आइये आपको इस बात का जवाब बताएं। अगर आपको ऐसा लग रहा है कि इस गांव पर किसी का श्राप है या किसी रहस्यमई वजह से यहां के मर्दों की मौत हो जाती है तो आप गलत हैं। कई रिपोर्ट्स के बाद ये साफ हो चुका है कि यहां के मर्दों की मौत सिलिकोसिस नाम की बीमारी से होती है।

दरअसल, इस गांव के ज्यादातर मर्द खदानों में काम करते हैं। इसके अंदर काम करने वालों को ये बीमारी हो जाती है। समय पर सही इलाज ना मिल पाने की वजह से इनकी मौत हो जाती है। गांव की ज्यादातर विधवा महिलाओं को किसी तरह की कोई मदद नहीं मिलती। ऐसे में अपना और अपने परिवार का पेट पालने के लिए ये भी उसी खदान में काम करने को मजबूर होती हैं। इन खदानों में कई-कई घंटे बलुआ पत्थरों को तोड़ने का काम किया जाता है। इन पत्थरों को तराशने के दौरान जो डस्ट निकलता है, वो मजदूरों के फेफड़ों में संक्रमण कर देता है। अगर इलाज हो गया तो उनकी जान बच जाती है। वरना मौत तय है।

ये है दुनिया का सबसे बड़ा चूहा, बारूदी सुरंग को सूंघने में है पूरी तरह सक्षम

दुनिया में आपने बड़े चूहों के बारे में खूब सुना होगा, पर क्या आपने ऐसे चूहे के बारे में सुना है जो बिल्ली जितने लंबे होते हैं। जी हां, गैम्बियन पाउच रैट प्रजाति वाला चूहा दुनिया का सबसे बड़ा चूहा है। हैरानी की बात लगती है, लेकिन दुनिया में बहुत से लोग हैं इस तरह के चूहों को पालने का शौक रखते हैं। अक्सर पालतू जानवरों के रूप में रखे जाने वाले ये विशाल जानवर चौंकाने वाले, प्यारे और समान रूप से थोड़े गंभीर होते हैं। मूल रूप से इन चूहों को बारूदी सुरंगों को सूंघने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। लेकिन अमेरिका के प्लोरिडा में इनका आतंक है। इनकी आबादी के बढ़ने की आशंका को देखते हुए इन्हें खत्म किया जा रहा है। टेक्सास इनवेसिव स्पीशीज़ इंस्टीट्यूट की वेबसाइट के अनुसार विशाल चूहा, जो एक छोटी घरेलू बिल्ली के बराबर है, फ्लोरिडा कीज में अपने नए घर के लिए पारिस्थितिक खतरा पैदा करता है। गैम्बियन चूहा गाल की थैलियों में अनाज और भोजन जमा करने की क्षमता के कारण अन्य कुतरने वाले जानवरों से अलग होता है। इससे एक समय में भोजन की अधिक खपत होती है और फसलों को नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है। अब तक उन्हें केवल एक विशेष द्वीप, ग्रासी की पर प्रजनन के लिए जाना जाता है, लेकिन उनके पास कीज़ के पुलों के साथ यात्रा करने की गुंजाइश है और वे सब्जियां, कीड़े, केकड़े, घोंघे, ताड़ की गुठली और ताड़ के फल बड़े पैमाने पर भूख से खाने के लिए जाने जाते हैं। टेक्सास इंस्टीट्यूट के अनुसार, 'ग्रासी की' पर सभी आबादी आठ गैम्बियन चूहों से उपजी है जिन्हें एक विदेशी पशु प्रजनक द्वारा गलती से छोड़ दिया गया था। संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार, आबादी को खत्म करने के प्रयास किए जा रहे हैं क्योंकि वे प्रमुख पुलों को पार कर सकते हैं और मुख्य भूमि फ्लोरिडा की ओर बढ़ सकते हैं। वहीं क्रूनगर नेशनल पार्क के अनुसार, अफ्रीका के कुछ हिस्सों में चूहों को बारूदी सुरंगों को सूघने का प्रशिक्षण दिया गया है। कुत्तों की तुलना में उन्हें प्रशिक्षित करना आसान होता है और रखना सस्ता होता है। पार्क ने यह भी कहा कि जिन जगहों पर कूड़े की अधिकता है, वहां रिपोर्टों में दावा किया गया है कि विशाल चूहों की प्रजातियां मानव शिशुओं को खाने के लिए जानी जाती हैं।

सत्ता में आने पर जरूरत के हिसाब से देंगे आरक्षण : राहुल गांधी

भाजपा आदिवासी, दलित और पिछड़ों से आरक्षण छीनना चाहती है

» बोले- 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा हटाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा आदिवासी, दलित और पिछड़ों से आरक्षण छीनना चाहती है। कांग्रेस की सरकार आने के बाद आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा खत्म की जाएगी। राहुल ने कहा कि आरक्षण पर अदालत ने 50 प्रतिशत की लिमिट लगा रखी है, हम उसे हटाएंगे और गरीबों, पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों को जितने आरक्षण की जरूरत है, हम उतना आरक्षण देंगे।

मध्य प्रदेश के झाबुआ-रतलाम संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार कांतिलाल भूरिया के समर्थन में आयोजित जनसभा में राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा नेता कहते हैं कि उनकी सरकार बनने पर आदिवासियों, दलितों, पिछड़े वर्ग से आरक्षण छीन लिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि अडानी जैसे लोगों की नजर आपके जल-जंगल-जमीन पर है। पीएम मोदी, अपने मित्र अडानी को आपका जल-जंगल-जमीन सौंप देना चाहते हैं। नरेंद्र मोदी ने पहले ही हिंदुस्तान के एयरपोर्ट, पॉवर स्टेशन, पोर्ट, इन्फ्रास्टक्चर, डिफेंस सेक्टर सबकुछ अडानी जैसे लोगों को दे दिया है। उन्होंने कहा कि मीडिया कहता है कि मनरेगा से लोगों की आदत बिगड़ती है। लेकिन जब अरबपतियों का कर्जा माफ होता है तो उसको यह विकास कहते हैं। लेकिन जैसे ही हमारी सरकार आएगी, हम मनरेगा मजदूरों को 400 रुपए दैनिक मजदूरी देंगे। राहुल गांधी ने संविधान की प्रति दिखाते हुए कहा कि ये चुनाव संविधान को बचाने का चुनाव है। संविधान को भाजपा और आरएसएस खत्म करना चाहती है, इसे बदलना चाहती है। कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन संविधान की रक्षा कर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने संविधान को बदलने के इरादे से 400 पार (400 से अधिक लोकसभा सीटें जीतने का लक्ष्य) का नारा दिया है लेकिन, 400 सीटें तो छोड़िए, भाजपा को इस बार 150 से ज्यादा सीटें भी नहीं मिलेंगी।

भाजपा को इस बार 150 से ज्यादा सीटें भी नहीं मिलेंगी

कांग्रेस ने आदिवासियों को वोट बैंक समझा : अर्जुन मुंडा

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने दावा किया कि कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन ने आदिवासियों को महज वोट बैंक बना दिया, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने यह सुनिश्चित किया कि इन लोगों को उचित सम्मान मिले। कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पार्टी का मानना था कि जंगलों में रहने वाले आदिवासी स्वभाव से अपराधी थे और अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार ने सबसे पहले उनके कल्याण में रुचि ली। मुंडा ने कहा कि कांग्रेस ने 60 साल के अपने शासन में आदिवासियों को केवल वोट बैंक के रूप में देखा, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि उन्हें उचित पहचान और सम्मान मिले। यही कारण है कि प्रधानमंत्री ने पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों) के लिए 24,000 करोड़ रुपये के कार्यक्रम सहित विभिन्न योजनाओं की शुरुआत के लिए खूंटी को चुना।" केंद्रीय आदिवासी और कृषि मंत्री मुंडा खूंटी आरक्षित सीट से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं, जिसकी पहचान आदिवासी नायक बिरसा मुंडा से है। वर्ष 2019 में मुंडा ने खूंटी लोकसभा सीट पर 1,445 वोट के मामूली अंतर से जीत हासिल की और एक बार फिर कांग्रेस उम्मीदवार कालीचरण मुंडा से उनका सीधा मुकाबला है। उन्होंने दावा किया कि यह सच है कि आदिवासी समाज को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया गया। उनके लिए कोई योजना नहीं थी, कोई नीति नहीं थी। बाद में भी जब उनके अधिकारों को मान्यता दी गई, तो कांग्रेस ने यह सुनिश्चित किया कि आदिवासी मुद्दे गृह विभाग के अंतर्गत आएं। उनका मानना था कि जंगल में रहने वाले लोग स्वभाव से अपराधी थे।' मुंडा ने कहा कि यह तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी थे जिन्होंने आदिवासी समाज के कल्याण में रुचि ली और बाद में मोदी ने उनके लिए न्याय सुनिश्चित किया।

सिक्किम में चल रहा कुशासन : चामलिंग

» पूर्व सीएम चामलिंग ने कहा- यह चुनाव आखिरी मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गंगटोक। लोकसभा चुनाव के साथ ही सिक्किम में विधानसभा चुनाव की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। सिक्किम में एक ही चरण में मतदान कराए जाने की घोषणा की गई है। जिसके बाद सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारियों के साथ चुनावी रणभूमि में उतर चुकी है। राज्य में वर्तमान समय में मुख्य टक्कर सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट और सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के बीच देखा जा रहा है।

सिक्किम में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा की सरकार है। ऐसे में विपक्ष और राज्य सरकार रैलियों और समारोह में भाग लेकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते हुए जनता को आगाह करने का काम कर रहे हैं। राज्य की जनता को यह समझाया जा रहा है कि किस सरकार के होने से राज्य का विकास और बेहतरी होगी। वहीं सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट ने सत्तारूढ़ पार्टी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पर खुलकर हमला बोलना शुरूकर दिया है। बता दें कि एसडीएफ के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग ने सत्तारुढ़ पार्टी पर कुशासन का आरोप लगाते हुए इसी मुद्दे को लेकर जनता के बीच उतरे हैं।

एसकेएम की सरकार पर बरसे

पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग ने कहा कि सिक्किम को त्कालीन सत्तारूढ़ पार्टी एसकेएम के कुशासन से बचाने का आखिरी मौका होगा। इसलिए उन्होंने एसडीएफ कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने और हर निर्वाचन क्षेत्र तक पहुंचने का आह्वान किया। सिक्किम विधानसभा में एसटी के लिए 12 सीटें रिजर्व हैं। चामलिंग की पार्टी सिक्कि म डेमोक्रेटिक फ्रंट को 15 सीटें मिली थीं। पूर्व सीएम चामलिंग ने राज्य के एक कार्यक्रम में कहा कि सिक्कि म की जनता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट को विधानसभा चुनाव में जीत हासिल हो।

जनहित में है वक्फ अधिनियम : हैदर

» लखीमपुर खीरी जनपद बार संघ में हुआ व्याख्यान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ उच्च न्यायालय के अधिवक्ता मोहम्मद हैदर ने कहा ळळ कि वक्फ अधिनियम का उद्देश्य जनहित है। लखीमपुर खीरी जनपद बार के आमंत्रण पर उन्होंने ये महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने लखीमपुर अधिवक्ता संघ के तत्वावधान में आईपी सिंह यादव विधि व्याख्यान माला में जनपद में उपस्थित होकर बार के सदस्यों से संवाद किया ।

श्री हैदर ने वहां बार के ही अनुरोध पर वक्फ अधिनियम, मुस्लिम विधि एवं इससे जुड़े विधिक प्रावधानों से सदस्यों को ज्ञात करवाया। मोहम्मद हैदर के इस व्याख्यान का सबसे आकर्षक बिंदु ये रहा कि उक्त व्याख्यान में बार के सदस्यों के द्वारा भी सक्रिय योगदान दे कर ज्ञानार्जन किया एवं उनके द्वारा वक्फ की अवधारणा, संकल्पना एवं वैधानिकता के सम्बन्ध में भी प्रश्न पूछे गए जिसका वक्त के द्वारा विधिक प्रावधानों का उल्लेख करते हुए विस्तार से उत्तर दिए गए। इस अवसर पर अधिवक्ता मोहम्मद हैदर के द्वारा वक्फ अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों को परिभाषित एवं उल्लिखित करने वाले दूरगामी न्याय निर्णयों एवं वक्फ की अवधारणा के उदभव, विकास एवं उद्देश्यों के सापेक्ष का एक संकलन तैयार कर बार को 4 प्रतियों में समर्पित किया गया जिसका उपयोग लखीमपुर बार के सदस्यों के द्वारा किया जायेगा।

अधिवक्ताओं ने किया सम्मानित

इसके अतिरिक्त श्री हैदर के द्वारा बार को भारतीय न्याय संहिता जो जुलाई से प्रवृत्त होगी, साइबर विधियां, एवं वक्फ अधिनियम की पुस्तकें भी भेंट की, जिनका उपयोग भी बार के सदस्यों के द्वारा किया जायेगा। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में अधिवक्ताओं ने प्रतिभाग कर श्री हैदर के वक्तव्यों एवं ज्ञान की भूरि भूरि प्रशंसा की। बार के अध्यक्ष अवधेश सिंह एवं महामंत्री विश्वास श्रीवास्तव ने मोहम्मद हैदर को स्मृति चिन्ह दे कर सम्मानित किया।

सूर्या की आक्रामक शतकीय पारी से मुंबई चमकी

» सनराइजर्स को सात विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला खेला गया। जहां सूर्यकुमार यादव की 51 गेंद में 102 रन की नाबाद पारी के दम पर मुंबई इंडियंस ने हैदराबाद को 7 विकेट से शिकस्त दी। वहीं इस दौरान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा के बीच चौथे विकेट के लिए अटूट साझेदारी बनी।

जहां तिलक वर्मा ने नाबाद 37 रन बनाए। यह मुंबई के लिए चौथे विकेट के लिए रिकॉर्ड साझेदारी है। आईपीएल 2024 का सीजन अब धीरे-धीरे अपने अंतिम पड़ाव की ओर पहुंच रहा है जहां सभी टीमें प्लेऑफ में पहुंचने के लिए पूरा जोर लगा रही हैं। शीर्ष की दो टीमें कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स 16-16 अंक लेकर सुखद स्थिति में है और इनका अंतिम चार में प्रवेश करना लगभग तय हो गया है। असली मुकाबला तीसरे और चौथे स्थान के लिए है जिसके लिए टीमें मेहनत कर रही है। हर सीजन की तरह इस बार भी निचले स्थान पर चल रही टीमें दूसरों का गणित बिगाड़ रही हैं और ऐसा ही कुछ सोमवार को मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मैच के दौरान भी देखने मिला। इस मैच में मुंबई ने हैदराबाद को हराकर प्लेऑफ की दौड़ को रोचक बना दिया है।

हैदराबाद, लखनऊ और सीएसके के बीच है टक्कर

तीसरे और चौथे स्थान के लिए मुख्य रूप से हैदराबाद, लखनऊ और सीएसके के बीच टक्कर है। इन तीन टीमों ने अब तक 11 मैच खेल लिए हैं और तीनों के ही 12-12 अंक हैं। हैदराबाद और लखनऊ की तुलना में सीएसके का नेट रनरेट बेहतर है। तीनों ही टीमों के लिए प्लेऑफ की दौड़ में रहने के लिए जीत जरूरी है। केकेआर को तीन मैच खेलने हैं, जबकि राजस्थान के चार मैच शेष हैं। यह दोनों ही टीम अगर एक मैच भी जीत लेती हैं तो प्लेऑफ में आधिकारिक रूप से पहुंच जाएंगी। राजस्थान और केकेआर का नेट रनरेट भी अन्य टीमों की तुलना में बेहतर है और अगर इन दोनों टीमों को बड़ी हार का सामना नहीं करना पड़ा तो किसी भी टीम के लिए इनके बराबर पहुंचना आसान नहीं होगा। छठे स्थान पर मौजूद दिल्ली के लिए भी संभावनाएं पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। दिल्ली 11 मैचों के बाद पांच जीत के साथ 10 अंक लेकर छठे स्थान पर है और उसे अगर दौड़ में आगे निकलना है तो अपने सभी मैच जीतने होंगे।

दिग्गजों ने किया मतदान

गुजरात में गृहमंत्री अमित शाह ने परिवार के साथ किया वोट, मतदान करने बाद यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, लातूर में एक्टर रितेश देशमुख मां व पत्नी के साथ वोट डाला , कर्नाटक में पूर्व सीएम बोम्मई, अहमदाबाद में उद्योपति अडानी ने व बारामती में शरद पवार ने वोट किया।

केजरीवाल के खिलाफ एनआईए जांच की सिफारिश से बढ़ा सियासी तापमान

» आप ने कहा- साजिश हो रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। उनके खिलाफ अब प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस से राजनीतिक चंदा लेने का आरोप लगा है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से इसकी जांच कराने की सिफारिश की है। उपराज्यपाल सचिवालय के अनुसार, विश्व हिंदू महासंघ, भारत के राष्ट्रीय महासचिव आशू मोंगिया ने एक अप्रैल को पेन ड्राइव के साथ सक्सेना को शिकायत की थी, केजरीवाल की पार्टी आप ने खालिस्तान समर्थक आतंकी समूह से 1.6 करोड़ डॉलर लिए हैं।

यह धन कथित तौर पर 1993 के दिल्ली बम धमाके में सजायाफ्ता देवेंद्रपाल भुल्लर की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए दिया गया था। दिल्ली धमाकों में 9 लोगों की मौत हुई थी। विशेष टाडा कोर्ट ने 25 अगस्त, 2001 को भुल्लर को मौत की सजा सुनाई थी, जिसे शीर्ष कोर्ट ने उम्रकैद में बदल दिया। भुल्लर की सजामाफी के लिए केजरीवाल ने राष्ट्रपति को पत्र भी लिखा था। भुल्लर पहले तिहाड़ जेल में था, पर स्वास्थ्य कारणों से जून 2015 को उसे अमृतसर जेल भेज दिया गया।

पहले भी हुई थी जांच, कुछ नहीं निकला : भारद्वाज

आप नेता सौरभ भारद्वाज मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एनआईए जांच को आप ने राजनीतिक षडयंत्र करार दिया है। पार्टी का कहना है कि चुनाव से पहले भाजपा आरोप लगाती है। 2022 में हुए पंजाब चुनाव के दौरान भी इसी तरह के आरोप लगाए गए थे। उस समय जांच भी हुई थी, लेकिन कुछ नहीं निकला। दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हर चुनाव से पहले केजरीवाल पर इसी प्रकार के आरोप लगाना भाजपा का राजनीतिक षडयंत्र बन गया है। सौरभ भारद्वाज के मुताबिक, दो साल पहले इसी मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई थी। अदालत ने इस पहली नजर में खारिज कर दिया था। तत्कालीन कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति नवीन चावला की खंडपीठ ने जगदीश शर्मा की दायर याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह पूरी तरह से तुच्छ है।

सीबीआई के मामले में मनीष सिसोदिया को झटका

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति मामले में पूर्व डिप्टी सीएम और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया को झटका लगा। मामले से जुड़े सीबीआई के केस में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 15 मई तक बढ़ा दी है। दिल्ली में स्थित राउज एवेन्यू कोर्ट अगली सुनवाई 15 मई को करेगा। वहीं सिसोदिया इसके अलावा दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी के केस में न्यायिक हिरासत में पहले ही 8 मई तक है। दरअसल, ईडी और सीबीआई दोनो ही जांत एजेंसी दिल्ली शराब नीति मामले में सिसोदिया की भूमिका की जांच कर रहे हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने दावा किया है कि दिल्ली आबकारी नीति में गड़बड़ी हुई है।

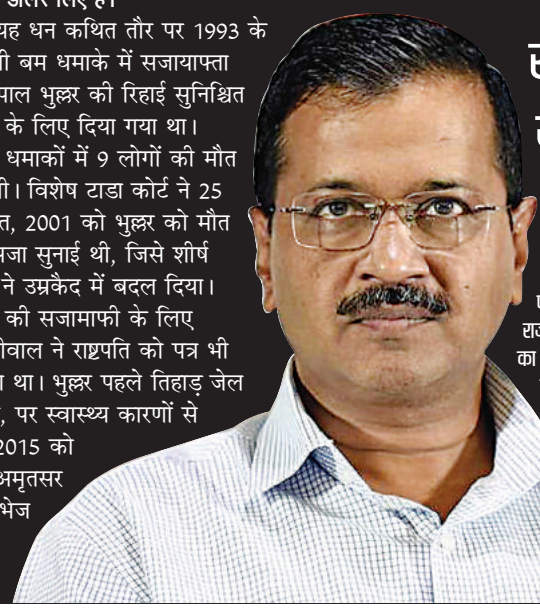

सीएम की गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की गई गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर मंगलवार को सुनवाई शुरू की। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ को ईडी की ओर से पक्ष रख रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू की ओर से एक नोट दिया गया जिसमें उन्होंने केजरीवाल की इस दलील का विरोध किया कि जांच एजेंसी ने सरकारी गवाहों के बयानों को दबाया है। न्यायालय ने ईडी से दिल्ली आबकारी नीति घोटाले पर पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी से पहले और बाद की केस फाइलों को पेश करने को कहा। न्यायालय ने ईडी से केजरीवाल की गिरफ्तारी से पहले की केस फाइल भी मांगीं। केजरीवाल को इस मामले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था और वह न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद हैं।

आप को आतंकी समर्थन : सचदेवा

प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एनआईए जांच की सिफारिश का स्वागत किया। कहा कि जेल में बंद अरविंद केजरीवाल का खालिस्तान लिबरेशन फ्रंट का समर्थन था। उनके राजनीतिक कॅरियर के दौरान और एनजीओ हेड के रूप में काम करते थे। तब से देश ने देखा है कि अरविंद केजरीवाल हमेशा से अलगाववादी कार्यक्रमों के प्रति नरम दिल रखते हैं। यासीन मलिक जैसे लोगों को समर्थन के लिए अच्छी तरह से जाना जाता है। खलिस्तान लिबरेशन फ्रंट (केएलएफ) और जेकेएलएफ के प्रति भी उनका नरम दिल था। सिख फॉर जस्टिस से केजरीवाल के वित्तीय सहायता स्वीकार करने की संभावनाओं को नकार नहीं सकते हैं। 2017 में पंजाब विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान जब वह एक केएलएफ के नेता गुरविंदर सिंह के आवास पर ठहरे भी थी।

मंत्री आलमगीर के पीएस और जहांगीर गिरफ्तार

» झारखंड में 32 करोड़ रुपये से अधिक नकदी बरामदगी का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 32 करोड़ रुपये से अधिक नकदी बरामद करने के बाद झारखंड के मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव के साथ ही निजी सचिव के घरेलू सहायक को भी गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि ईडी आज दोनों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेगी। वहीं आज दूसरे दिन भी ईडी कई लोगों के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

ईडी ने सोमवार को आलमगीर आलम के सचिव से कथित रूप से जुड़े एक घरेलू सहायक के कई परिसर की तलाशी के दौरान 35.23 करोड़ रुपये की बेहिसाबी नकदी और कई आधिकारिक दस्तावेज बरामद करने का दावा किया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मंत्री से जुड़े स्थान से 32 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी जब्त की गई वहीं केंद्रीय एजेंसी ने कुछ अन्य परिसर में की गई तलाशी में अलग से तीन करोड़ रुपये से अधिक की नकदी बरामद की. ईडी पिछले साल से इस मामले की जांच कर रही है और उसने राज्य ग्रामीण विकास विभाग के एक पूर्व मुख्य अभियंता को गिरफ्तार किया है।

शहीद हेमंत करकरे पर टिप्पणी से असहमत हूं: राउत

» कांग्रेस नेता वडट्टीवार के बयान पर भड़के मराठा नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना उद्धव बाला साहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कांग्रेस नेता विजय वडट्टीवार द्वारा आतंक रोधी दस्ते (एटीएस) के प्रमुख हेमंत करकरे को लेकर की गयी विवादास्पद टिप्पणी पर कहा कि वह करकरे को लेकर किये गये दावे से सहमत नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि करकरे एक शहीद हैं, जिन्होंने देश के लिए लड़ाई लड़ी। वडट्टीवार ने 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकी हमले को लेकर टिप्पणी की थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि एटीएस प्रमुख हेमंत करकरे को आतंकवादी अजमल कसाब ने नहीं मारा था।

निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर कांग्रेस नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग

वडट्टीवार ने निकम को राष्ट्र-विरोधी भी करार दिया है, जिसपर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई है और निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर कांग्रेस नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वही राउत ने कहा हेमंत करकरे एक शहीद थे। उन्होंने देश के लिए लड़ाई लड़ी। जब नवंबर 2008 में कसाब और उसके गिरोह ने मुंबई पर हमला किया तो करकरे ने उनसे लड़ाई लड़ी। अब कुछ लोगों ने सवाल उठाया है कि करकरे की शहादत रहस्यमय थी। मैं इस पर विश्वास नहीं करता। राउत ने कहा कि मुंबई आतंकी हमले के दौरान आईपीएस अधिकारी अशोक कामटे और तुकाराम ओम्बले समेत अन्य पुलिसकर्मी भी शहीद हुए थे। शिवसेना-यूबीटी सांसद ने कहा, यह देश के दुश्मनों के खिलाफ लड़ाई थी।

भाजपा ने उद्धव ठाकरे की चुप्पी पर साधा निशाना

वडट्टीवार की इस टिप्पणी से महाराष्ट्र के सियासी गलियारों में हलचल मच गयी और भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) ने इस मुद्दे पर उद्धव ठाकरे की चुप्पी पर सवाल उठाया। महाराष्ट्र में कांग्रेस, शिवसेना-यूबीटी की सहयोगी दल है। महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता वडट्टीवार ने दावा किया था कि 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकी हमले के मामले में अभियोजन पक्ष के वकील और लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवार उज्जवल निकम ने यह जानकारी छिपाई थी कि करकरे को कसाब ने नहीं मारा बल्कि वह एक पुलिसकर्मी की गोली का शिकार हुए थे, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ा हुआ था। राउत ने दावा किया कि आरएसएस करकरे से परेशान थी क्योंकि उन्हें लगता था कि उनके (करकरे) नेतृत्व वाली एटीएस ने साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित (2008 मालेगांव बम विस्फोट मामले में) को गलत तरीके से गिरफ्तार किया था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।